

Ом Шри Саи Рам

चमकम्

РУДРАМ. ЧАМАКАМ

Анувака 1

अग्नाविष्णु सजोषसेमावर्धन्तु वां गिरः । द्युम्नैर्वर्जेभिरागतम् ॥ १ ॥



агнाविष्णु саджёшас३मावार्धханту वाम гираха ।



дью_омнаирвादжЭбхирागातम ॥ 1 ॥

О Агни и Вишну! Да будете вы оба благорасположены ко мне. Да увеличат мои хвалебные слова ваше благорасположение. Мы молим вас о богатстве и пище.

वाजश्च मे प्रसवश्च मे प्रयतिश्च मे प्रसितिश्च मे धीतिश्च मे क्रतुश्च मे स्वरश्च मे
श्लोकश्च मे श्रावश्च मे श्रुतिश्च मे ज्योतिश्च मे सुवश्च मे प्राणश्च मे॒पानश्च मे व्यानश्च
मे॒सुश्च मे ॥ २ ॥



वाद्जाय्छा मे प्रसावाय्छा मे॒ प्रायतिष्ठामे॒ प्रसितिष्ठा मे॒ द्य॑तिष्ठा मे॒
क्रतुष्ठा मे॒ स्वाराय्छा मे॒ श्लोकाय्छा मे॒ श्रावाय्छा मे॒ श्रुतिय्छा मे॒
ज्योतिय्छा मे॒ सुवाय्छा मे॒ प्रानाय्छा मे॒पानाय्छा मे॒ व्यानाय्छा मे॒ सुष्ठा
मे॒ ॥ 2 ॥

Я молю Тебя: одари меня пищей и позволь мне кормить других и себя. Да будет чистой пища, которую я ем; да будет у меня хороший аппетит; да буду я вкушать пищу с удовольствием; да будет усвоена пища, которую я ем. Да буду я совершать жертвоприношения, которые обеспечат меня пищей; да буду я распевать ведические мантры с правильной интонацией неотразимым и пленительным голосом. Дай мне способность различия, чтобы я знал, что слушать, а что не слушать. Да озарится мой ум ясностью, чтобы я обрел верное понимание вещей.

वाजश्च मे प्रसवश्च मे प्रयतिश्च मे प्रसितिश्च मे



वाद्ज्यांचा मे प्रासावांचा मे प्रायतिष्ठामे प्रासीतिष्ठा मे

धीतिश्च मे क्रतुश्च मे स्वरश्च मे श्लोकश्च मे



द्खितिष्ठांचा मे क्रातुष्ठांचा मे स्वारांचा मे श्लोकांचा मे

श्रावश्च मे श्रुतिश्च म ज्योतिश्च मे सुवश्च मे



श्रावांचा मे श्रुतिष्ठांचा मे ज्योतिष्ठांचा मे सुवांचा मे

प्राणश्च मेऽपानश्च मे व्यानश्च मेऽसुश्च मे



प्राणांचा मेपानांचा मे व्यानांचा मे सुष्ठा मे

चित्तं च म आधीतं च मे वाक्च मे मनश्च मे चक्षुश्च मे श्रोत्रं च मे दक्षश्च मे बलं च म ओजश्च
मे सहश्च म अयुश्च मे जरा च म आत्मा च मे तनूश्च मे शर्म च मे वर्म च मेऽज्ञानि
च मेऽस्थानि च मे परुग्राषि च मे शारीराणि च मे ॥३॥



читтам चा मा अधित्तम चा मे वाक् चा मे मानांचा मे चक्षुष्ठा मे श्रोत्रां चा मे
दक्षांचा मे बलां चा मा अज्यांचा मे साहांचा मा अंगांचा मे ज्यारा चा मा
अत्मा चा मे तनुष्ठा मे शर्मांचा मे वर्मा चा मेंगानी चा मे स्थानी चा मे
परुग्राषि चा मे शारीराणी चा मे ॥३॥

Да достигну я небес богов. Да будут во мне правильно функционировать жизненные силы. Да заслужит мой ум истинное знание с помощью непрерывного восприятия. Одари меня красноречием и здоровым умом. Да будут мои органы чувств совершенны, глаза зорки, а слух тонок; да будут мои органы действий сильными и энергичными. Одари меня мощью, чтобы я мог сокрушить своих врагов и прожить долгую интенсивную жизнь, завершившуюся уважаемой и полной достоинства старостью. Да будет моё тело красивым и хорошо сложенным; да будут мои кости крепкими, а суставы – подвижными. Одари моё тело счастьем и защитой. Да буду я рождён в высоких и благородных телах в будущем.

चित्तं च म आधीतं च मे वाक्च मे मनश्च मे चक्षुश्च मे श्रोत्रं च मे



чи^{ттам} ча^а ма^а а^{дх}йтам ча^а ме^вак ча^а ме^манащча ме^е
чакшुщча ме^е щротра^м ча^а ме^е

दक्षश्च मे बलं च म ओजश्च मे सहश्च म अयुश्च मे जरा च म



дакшащча ме^е балам ча^а оджящча ме^е сахашча ма^а
ающча ме^е джя^ра^а ча^а ма

आत्मा च मे तनूश्च मे शर्म च मे वर्म च मेऽज्ञानि च मेऽस्थानि

च मे परुगृषि च मे शरीराणि च मे



атмā ча^а ме^е танुщча^а ме^е щармача^а ме^е вармā ча^а менгāни ча^а
ме^е стхāनī^а ча^а ме^е парūгмши^а ча^а ме^е щарīрāни^а ча^а ме^е